स्मारकों के संरक्षण के लिए
नई दिल्ली में हेरिटेज मार्ग

मुगल बादशाह हुमायूं का मकबरा नई दिल्ली में प्रस्तावित हैरिटेज मार्ग में शामिल है।

वर्ष 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान लगभग एक करोड़ पर्यटकों के नई दिल्ली पहुंचने की आशा है। उनमें से काफी लोग खेलकूद प्रतियोगिताओं के साथ-साथ राजधानी के ऐतिहासिक स्मारकों और वास्तुशिल्पीय नमूनों को भी देखना चाहेंगे। अपने शहर की प्राचीन विरासत से प्यार करने वाले संरक्षणकर्त्ताओं, इतिहासकारों और आम लोगों का पर्यटकों की इस भारी भीड़ के संभावित प्रभाव से सरोकार स्वाभाविक ही है।

इस बारे में मदद की बात पर विचार किया जा रहा है। ऐसी योजना तैयार की जा रही है कि पर्यटकों को 16 वीं सदी में निर्मित हुमायूं के मकबरे से लाल किले तक के आदर्श हेरिटेज मार्ग पर स्वच्छ ईंधन से चालित बसों में घुमाया जाए। विश्व के कई अन्य बड़े शहरों की भांति ही पर्यटक बस से उतरकर अब तक कम जाने-पहचाने पर्यटक स्थलों को देखेंगे और फिर बस में बैठ कर दूसरे पर्यटन स्थल की ओर चल पड़ेंगे। बसों की इस शटल सेवा से ट्रैफिक की भीड़भाड़ कम होगी और वातावरण दूषित नहीं होगा। नई दिल्ली के विभिन्न स्मारकों को देखने के लिए ऐसे कई मार्ग बनाए जाएंगे। इसकी शुरूआत हेरिटेज मार्ग से की जा रही है जिसमें शैक्षिक केंद्र होंगे, पैदल चलने वाले पर्यटकों के लिए पैदल पथ पर बैठने की और पर्यावरण को नुकसान न पहुंचाने वाली रोशनी आदि की व्यवस्था की जाएगी।

यह भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत न्यास द्वारा नई दिल्ली के समृद्ध इतिहास की ओर ध्यान आकर्षित करने, दिल्ली को एक ऐतिहासिक विरासत के शहर के रूप में सामने रखने और भविष्य के लिए अमूल्य धरोहर का संरक्षण करने की योजना का हिस्सा है। पहले हेरिटेज मार्ग को अमेरिकन एक्सप्रेस कंपनी तथा वर्ल्ड मॉन्यूमेंट्स फ़ंड द्वारा दिए गए 2 लाख डॉलर के अनुदान से विकसित किया जा रहा है जो हर दो वर्ष की अवधि में 100 सर्वाधिक संकटग्रस्त विरासत स्थलों की सूची जारी करता है।

''विश्व भर में अनेक प्रसिद्ध स्थलों के लिए पर्यटन जीवनदायी रक्त संचार का काम करता है। अत: उनकी सुरक्षा और संरक्षण के कारगर तरीके खोजने के साथ-साथ उनका अस्तित्व बनाए रखने के लिए पर्यटकों के अनुभव को सुखद बनाना भी बेहद जरूरी है।'' 7 नवंबर 2007 को अनुदान राशि की घोषणा करते हुए अमेरिकन एक्सप्रेस के वाइस चेयरमैन एड. गिलिगन ने ये विचार जताए। – एल.के.एल.